केंद्रीय विद्यालय संगठन लखनऊ संभाग
पूर्व परिषदीय परीक्षा
सत्र **2022- 2023**
कक्षा**- 10**
विषय **-** हिंदी **,** कोर्स **-** ए **(**कोड **002)**
सेट **– 1 (**अंक योजना **)**

निर्धारित समय **: 3**घंटे पूर्णांक **: 80**

सामान्य निर्देशः

(1) अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।इस प्रश्न पत्र में वस्तुपरक एवं वर्णनात्मक प्रश्न हैं । अतः अंक योजना में दिए गए वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
(2) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएं।
(3)समान त्रुटियों के लिए स्थान- स्थान पर अंक न काटे जाएं।
(4)गुणवत्तापूर्ण सटीक उत्तर पर शत प्रतिशत अंक देने में किसी प्रकार का संकोच न किया जाए।
(5) मूल्यांकन में 0 से 100 प्रतिशत अंकों का पैमाना स्वीकार्य है।

	खंड – क **(**वस्तुपरक **/** बहविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर**)**	
प्क्रम.सं.	उत्तर	अंक
प्रश्न 1	अपठित गदयांश पर आधारित बहविकल्पी प्रश्न	1x5=5
1) 2) 3) 4) 5)	(घ) सभी भेदभाव को भूलकर देश के प्रति वफादार और आत्मीयता पूर्ण होना । (ख) कथन ii व iii सही है। (घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (ग) धर्म भाषा और क्षेत्रीयता के झगड़ों में उलझने के कारण (घ) सांप्रदायिक अलगाव द्वेष और घृणा के कारण	
प्रश्न 2	अपठित पदयांश पर आधारित बहविकल्पी प्रश्न	1x5=5
1) 2) 3) 4) 5) 1) 2) 3) 4) 5)	(ख) कथन iii सही है। (घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (क) भारतीय जनता सभी अत्याचार सह सकती है। (क) क्रांति (क) जनतंत्र के लिए अथवा (ग) कथन ii व iv सही हैं। (ग) उचित जीवन लक्ष्य का (ख) कथन iiiसही है। (ख) अप्रतिम साहस (ख) असमय निधन	
प्रश्न 3.	निर्देशानुसार ‘रचना के आधार पर वाक्य भेद’ पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए**-**	1x4=4
1) 2) 3) 4) 5)	(ख) 1 -ii, 2 - iii, 3 - i (ग) पंख वाले चींटे या दीमक वर्षा के दिनों में ही निकलते हैं। (ख) क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य (घ) समस्त कथन सही हैं। (ग) उसने जो कार खरीदी है वह बहत महंगी है।	
प्रश्न4.	निर्देशानुसार ‘वाच्य’ पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए –	1x4=4
1) 2) 3) 4) 5)	(क) 1-iii, 2 -i, 3 -ii (क)नरकट द्वारा रीड बनाई जाती है| (घ) लड़की से सोया नही गया । (क) कर्तृवाच्य (ग) नवाब साहब ने खीरे को धोकर पोंछ लिया|	
प्रश्न 5.	निर्देशानुसार ‘पद परिचय’ पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए **-**	1x4=4
1) 2) 3) 4) 5)	(ख) भाववाचक संज्ञा ,स्त्रीलिंग, एकवचन, करण कारक (क) भाववाचक संज्ञा ,स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक (ख)व्यक्तिवाचक संज्ञा,कर्मकारक,एकवचन,पुल्लिंग (क)जातिवाचक संज्ञा ,कर्मकारक,एकवचन,पुल्लिंग (ग व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक	

प्रश्न 6.	निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए	1x4=4
1) 2) 3) 4) 5)	(ख) राणा ने सोचा इस पार , तब तक चेतक था उस पार (क) सागर के उर पर , नाच –नाच लहरें करती हैं मधु गान । (क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा (ग) मानवीकरण	
प्रश्न 7.	निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए -	**(1X5= 5)**
1) 2) 3) 4) 5)	(ग)कुछ न कुछ सोचने की (क) कनखियों से (क) सहसा भाव परिवर्तन (घ) उपर्युक्त सभी। (क) धन्यवाद, आप खाइए ।	
प्रश्न 8.	गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए -	**(1X2= 2)**
1) 2)	(क) पानवाला एक मोटा, हंसमुख और खुशमिजाज व्यक्ति था। (क) प्रभातफेरी शुरु करने लगते थे।	
प्रश्न 9.	निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए -	**(1X5= 5)**
1) 2) 3) 4) 5)	(घ) परशुराम को (क) राम को (ग) गुरु का (क) उग्र, क्रोधी, अहंकारी (ग) शीतल जल के समान	
प्रश्न10.	पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए -	**(1X2= 2)**
1) 2)	(ग) हवा की थिरकन का (ख) वे बहत विनम्र थे और अहंकार उन्हें छू तक नहीं गया था।	
	खंड ख **(**वर्णनात्मक प्रश्नों के संभावित संकेत एवं रचनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्नों के मूल्यांकन बिंदु **)**	
प्रश्न क्रम संख्या	उत्तर	अंक विभाजन
11	प्रश्नों के उत्तर की शब्द सीमा **25** से **30** शब्द	2 x 4
क	• नेताजी की मूर्ति चश्माविहीन थी। इससे उनका व्यक्तित्व अपूर्ण-सा लगता था। • इस कमी को पूरा करने का प्रयास कैप्टन चश्मेवाला करता था। • वह नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगा दिया करता था। इस प्रकार वह मूर्ति की कमी और नेताजी के व्यक्तित्व की अपूर्णता को भरने का प्रयास करता था।	2 अंक
ख	• भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर औरों की तरह शोक और मातम नहीं मनाया। • वे मृत बेटे के सामने बैठकर मस्ती और तल्लीनता में कबीर के पद गाते रहे। वे मृत्यु को आत्मा-परमात्मा का मिलन मानकर इससे दुखी होने के बजाय खुश होने का समय मान रहे थे। • वे अपनी पुत्रवधू को भी आनंदोत्सव मनाने के लिए कहते जा रहे थे।	2 अंक
ग	• पड़ोस कल्चर हमें उचित व्यवहार की सीख देता है जिससे हम सामाजिक मापदंड अपनाते हुए मर्यादित जीवन जीते हैं। • यहीं से व्यक्ति में पारस्परिकता, सहयोग, सहानुभूति जैसे मूल्यों का पुष्पन-पल्लवन होता है। पड़ोस कल्चर के कारण अकेला व्यक्ति भी कभी अकेलेपन का शिकार नहीं हो पाता है। • फ़्लैट कल्चर की संस्कृति के कारण लोग अपनेफ्लैट तक ही सिमटकर रह गए हैं। लोगों में अत्मकेंद्रिता इस तरह बढ़ रही है कि उन्हें एक-दूसरे के सुख-दुख से कोई लेना-देना नहीं रह जा रहा है। इससे सामाजिक भावना एवं मानवीय मूल्यों को गहरा धक्का लग रहा है।	2 अंक
घ	• लेखक यशपाल ने यात्रा करने के लिए सेकंड क्लास का टिकट इसलिए खरीदा, क्योंकि- • उन्हें अधिक दूरी की यात्रा नहीं करनी थी।	2 अंक

	• वे भीड़ से बचकर एकांत में यात्रा करते हुए नई कहानी के बारे में सोचना चाहते थे। • वे खिड़की के पास बैठकर प्राकृतिक दृश्य का आनंद उठाना चाहते थे। • सेकंड क्लास का कम दूरी का टिकट बहुत महँगा न था।	
12	प्रश्नों के उत्तर की शब्द सीमा **25** से **30** शब्द	2x3=6
(i)	• बादल धरती के सभी प्राणियों को नया जीवन प्रदान करते हैं और यह हमारे अंदर के सोये हुए साहस को भी जगाते हैं। • बादल उत्साह और ऊर्जा एवं उमंग का प्रतीक है वह घोर गर्जना करते हैं और बरसते हैं जिससे मन में उत्साह का भाव का संचार होता है। • लेखनी के ज़रिए कवि भी क्रांति और नया उत्साह भरना चाहते है| • वह उन्हें आलस्य छोड़ कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा देते है|	2 अंक
(ii)	• 'मरजादा न लही' के माध्यम से प्रेम की मर्यादा ना रहने की बात की जा रही है। श्री कृष्ण के मथुरा चले जाने पर भी गोपियां शांत भाव से उनके लौटने की प्रतीक्षा कर रही थी। वे चुप्पी लगाए इस वियोग को सहन कर रही थी। लेकिन श्रीकृष्ण ने योग का संदेश देने के लिए उद्धव को भेज दिया। जिससे गोपियां मर्यादा छोड़कर बोलने पर आतुर हो गई क्योंकि प्रेम के बदले प्रेम का प्रतिदान ही प्रेम की मर्यादा है।	
(iii)	• इस समय चारों ओर हरियाली छा जाती है। खेतों में कुछ फसलें पकने को तैयार होती हैं। • सरसों के पीले फूलों की चादर बिछ जाती है। लताएँ और डालियाँ रंग-बिरंगे फूलों से सज जाती हैं। • प्राणियों का मन उल्लासमय हुआ जाता है। ऐसा लगता है कि इस महीने में प्राकृतिक सौंदर्य छलक उठा है।	2 अंक
(iv)	आत्मकथ्य कविता के माध्यम से प्रसाद जी के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताओं की झलक मिलती है • विनम्रता : प्रसाद जी छायावाद के चार स्तंभों में प्रमुख स्थान रखते हैं, फिर भी वे अत्यंत विनम्र थे। वे अपने जीवन को उपलब्धिहीन मानकर कहते थे-छोटे-से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ। • सरल स्वभाव : प्रसाद जी सरल स्वभाव वाले व्यक्ति थे। वे अपनी सरलता की हँसी नहीं उड़ाना चाहते थे–यह विडंबना! अरे सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं। • यथार्थता : प्रसाद जी यथार्थवादी थे। वे यथार्थ को स्वीकार कर कहते थे—तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे-यह गागर रीती।	2 अंक
13	प्रश्नों के उत्तर की शब्द सीमा **50** से **60** शब्द	4x2=8
(i)	• जब हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया गया तब लेखक ने सिर्फ उस समाचार को पढ़कर विज्ञान के इस दुरुपयोग को कोसा पर जब एक बार लेखक हिरोशिमा गए और उस अस्पताल को देखा जहां रेडियोधर्मी पदार्थ से आहत लोग वर्षों से कष्ट पा रहे थे तो लेखक ने अपने आप को हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता महसूस किया लेकिन जब उन्होंने एक जले हुए पत्थर पर एक लंबी उजली छाया को देखा तो परमाणु बम की विभीषिका को समझ सके। इस छाया को देखकर लेखक को थप्पड़ सा लगा जैसे भीतर कहीं सहसा एक जलता सूर्य निकल आया हो उसमें डूब गए हो उस क्षण वे परमाणु विस्फोट की अनुभूति महसूस किए और उन्हें लगा कि वे स्वयं हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता बन गए ।	4 अंक
(ii)	• पत्थरों पर बैठकर श्रमिक महिलाएँ पत्थर तोड़ती हैं। उनके हाथों में कुदाल व हथौड़े होते हैं। कइयों की पीठ पर बँधी टोकरी में उनके बच्चे भी बँधे रहते हैं और वे काम करते रहते हैं। • हरे-भरे बागानों में युवतियाँ बोकु पहने चाय की पत्तियाँ तोड़ती हैं। बच्चे भी अपनी माँ के साथ काम करते हैं। • आम जनता भी अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के प्रयास में जीविका रूप में देश और समाज के लिए बहुत कुछ करते हैं।जैसे - सड़कें , पहाड़ी मार्ग, नदियों, पुल आदि बनाना। • हमारे देश की आम जनता जितना श्रम करती है, उसे उसका आधा भी प्राप्त नहीं होता परन्तु फिर भी वो असाध्य कार्य को अपना कर्तव्य समझ कर करते हैं। • देश की प्रगति का आधार यहीं आम जनता है जिसके प्रति सकारात्मक आत्मीय भावना भी नहीं होती। यदि ये आम जनता ना हो तो देश की प्रगति का पहिया रुक जाएगा।	4 अंक
(iii)	• 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित भोलानाथ के पिता की दिनचर्या के बारे में यह पता चलता है कि वे सुबह जल्दी उठते और नहा-धोकर पूजा-पाठ पर बैठ जाते थे। वे अकसर बालक भोलानाथ (अपने पुत्र) को भी अपने साथ बिठा लिया करते थे। वे प्रतिदिन	4अंक

	रामायण का पाठ करते थे। पूजा के समय वे भोलानाथ को भभूत से तिलक लगा देते थे। पूजा-पाठ के उपरांत वे रामनामी बही पर एक हज़ार बार राम-राम लिखते थे और अपनी पोथी करने की पोथी में रख लेते थे। इसके उपरांत वे पाँच सौ बार कागज के टुकड़े पर राम-राम लिखते और उन्हीं कागजों पर आटे की छोटी-छोटी गोलियाँ रखकर लपेटते। उन गोलियों को लेकर वे गंगा जी के तट पर जाते और अपने हाथों से मछलियों को खिला देते थे। इस समय भी भोलानाथ उनके साथ ही हुआ करता था। आज के आम आदमी की सुबह इस सुबह की दिनचर्या से इसलिए भिन्न है क्योंकि आज इस भौतिकवादी युग में धन-दौलत के पीछे लगी भागम-भाग के कारण आम आदमी के पास इतना समय ही नहीं है।	
	(रचनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्नों के मूल्यांकन बिंदु)	20 अंक
14	प्रश्न दिए गए तीन अनुच्छेदों में से किसी <u>एक</u> विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु विषयवस्तु 4 अंक भाषा 1 अंक प्रस्तुति 1 अंक	6x1=6
15	दिए गए दो औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों में से किसी <u>एक</u> विषय पर 100 शब्दों में पत्र लेखनहेतु मूल्यांकन बिंदु आरंभ और अंत की औपचारिकताएं 1अंक विषयवस्तु 2 अंक भाषा 1अंक प्रस्तुति 1 अंक	5x1= 5
16	दिए गए स्ववृत्त(बायोडाटा) व ईमेल लेखन में से किसी एक विषय पर 80 शब्दों में स्ववृत्त / ईमेल लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु प्रारूप 2अंक विषय वस्तु 2अंक भाषा- 1 अंक	5x1 =5
17	दिए गए विज्ञापन /संदेश लेखन में से किसी एक विषय पर 60 शब्दों में विज्ञापन / संदेश लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु विषयवस्तु 2 अंक भाषा 1अंक प्रस्तुति 1अंक	4x1=4 अंक